ग्रामीण महिला विकास संस्थान

रिपोर्ट

1997 & 2000

ग्रामीण महिला विकास संस्थान,
ग्राम बूबानी (अजमेर)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी – अजमेर

1997 से 2000 तक कार्य रिपोर्ट

संस्थान द्वारा सन् 1997 से 2000 तक जो भी जन चेतना एवं विकास के सम्बन्ध में कार्य किया उसका संक्षेप में विवरण निम्न प्रकार है :–

- संस्थान द्वारा जनहित में श्री बाला जी मन्दिर पर हैण्डपम्प लगवाया गया, जिससे मन्दिर में आने जाने वालों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हुई ।

- ग्राम दाता में एवं ग्राम बूबानी में सार्वजनिक हैण्डपम्प संस्थान द्वारा लगवाया गया परिणाम स्वरुप लगभग 3000 लोगो को पीने के पानी की समस्या से राहत मिली एवं पशुओं को भी पीने का पानी उपलब्ध हुआ । यह हैण्डपम्प राजस्थान महिला कल्याण मण्डल अजमेर के सहयोग द्वारा लगवाये गये ।

- ग्राम बूबानी में पशुओ के लिए जल व्यवस्था हेतु खेती एवं कोठा बनवाये है ।

- इनके अलावा सामाजिक कार्य में समाज में मौसर व्यवस्था को समाप्त करने में काफी योगदान दिया व प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से गाँव–गाँव जाकर निरक्षरों को साक्षर बनाने के लक्ष्य को पूरा करने का काम किया ।

- संस्थान ने ग्राम दाता से लेकर श्री कदम बाला जी महाराज के मन्दिर तक सड़क निर्माण कार्य करवाया गया । यह कार्य लोगों में जन जागृति के आधार पर उनमें जागरुकता लाकर श्रमदान के माध्यम से करवाया गया । इस सड़क का निर्माण लगभग 1 किलोमीटर दूरी तक किया गया ।

- हर वर्ष संस्थान द्वारा जन जागृति के क्षेत्र में श्री कदम बाला जी महाराज के मन्दिर पर लोक उत्सव मेले का आयोजन किया जाता है । इस मैले में जन चेतना एवं समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियों, अशिक्षा, स्वास्थ्य आदि के सम्बन्ध में संस्थान की सांस्कृतिक टीम द्वारा अनेक नाटक एवं खेल दिखाये जाते है ।

- लोक उत्सव मेला का आयोजन हर वर्ष किया जाता है जो कि हरियाली अमावस्या को ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी द्वारा करवाया जाता है । खेल के माध्यम से लोगों में चेतना उतपन्न करने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहा है ।

- मेले के अलावा संस्थान की टीम गांवों में जाकर भी जन चेतना एवं लोगों को जागरुक करने के लिए नाटक एवं खेल दिखाये जाते है । साथ ही लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की जानकारियाँ दी जाती है ।

- संस्थान द्वारा हर वर्ष कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के गरीब बच्चों को अध्ययन सामग्री वितरित की जाती है ।

- संस्थान द्वारा आयोजित पर्यावरण जागरुकता शिविर, स्वास्थ्य जागरुकता शिविर, शिक्षा शिविर में इन विषयों से संबंधित ग्रामवासियों में जो कुरीतिया व्याप्त है तथा जिनका वह अनुशरण करते आ रहे है उनकों दूर करने के लिए संस्थान ने प्रयास किया व करता रहेगा ।

- उत्तर साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत उसके प्रचास एवं प्रसार में सहयोग दिया ।

- ग्रामीण महिला विकास संस्थान, बूबानी द्वारा पल्स पोलियों कार्यक्रम में भी सहयोग किया जाता है ।

- संस्थान द्वारा महिला स्वय सहायता समूहों के गठन करने के सम्बन्ध में काफी प्रयास किया तथा महिलाओं को समूहों से जोड़कर उनमें बचत करने की प्रवृति (आदत) उत्पन्न की तथा इस प्रकार के समूह बनाये संस्थान ने महिला S.H.G. के साथ–साथ पुरुषों को भी इस प्रकार के समूह बनाने के लिए प्रेरित किया गया और पुरुषों को भी S.H.G. से जोड़ा ।

- महिलाओं को S.H.G. के सम्बन्ध में अधिक जानकारी देने के लिए S.H.G. प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर उन्हें S.H.G. के संचालन इसके लाभ आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारियां दी गई ।

- महिलाओं को S.H.G. से जोड़कर उनके साथ नियमित बैठक ली तथा उन्हें विभिन्न प्रकाहर की जानकारियां देकर उन्हें शक्तिशाली बनाया गया ।

- वर्तमान में संस्थान द्वारा 15 S.H.G. संचालित है । जिनमें से 12 समूहों को बैंक ऋण से जोड़ा जा चुका है । संस्थान द्वारा उन्हें बैंक ऋण से जोड़ कर उनकी प्राथमिक जरुरतों को पूरा करने में उनका सहयोग किया है ।

- S.H.G. से जुड़ने के बाद लोग अपनी प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है ।

संस्थान द्वारा अकाल राहत के तहत लोगों को अकाल से राहत पहुंचाने एवं पीने के पानी के लिए सार्वजनिक कुओं को गहरा करवाया गया जिससे लोगों को पीने के पानी की समस्या से राहत मिली तथा पशुओं को भी पीने का पानी मिला । यह कार्य अकाल राहत के तहत कुओं को गहरा करवाने का कार्य सिकोईडिकॉन जयपुर के सहयोग से किया गया ।

यह कार्य निम्न गांवों में किया गया :–

ग्राम दाता	–	दो कुओं को गहरा करवाया ।
ग्राम बूबानी	–	दो कुओं को गहरा करवाया ।
ग्राम ढाणी पुरोहितान	–	दो कुओं को गहरा किया ।
ग्राम मुहामी	–	दो कुओ को गहरा किया ।
ग्राम गेगल	–	एक कुंए को गहरा किया ।

इस प्रकार यह कार्य करने से पाँच गाँव के लोगों को पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है ।

– इसी के साथ लोगों को अकाल से राहत पहुंचाने के लिए संस्थान ने C.R.S. मुम्बई, R.C.D. समाज सेवी संस्था मदार के सहयोग से 10 गांवों में 50000 Workdays का कार्य करवाया ।

– इस कार्य में खेतों में मेड़बन्दी का कार्य करवाया गया जिससे लोगों को मजदूरी तो मिली साथ ही उनके खेतो की भी उपजाऊ क्षमता बढ़ी क्योंकि खेतो में मेड़बन्दी हो जाने से खेतों का पानी बहकर नहीं निकलता है और न ही मिट्टी का कटाव लगता है न ही मिट्टी बहती है परिणाम स्वरुप फसलों पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है ।

– इसी कार्य में संस्थान ने अकाल राहत के तहत C.R.S. मुम्बई R.C.D. समाज सेवी संस्था मदार के सहयोग से नाड़ी निर्माण एवं नाड़ी मरम्मत कार्य करवाया गया, जिससे लोगों को अकाल राहत मिली ।

– नाड़ी निर्माण कार्य से यह फायदा हुआ कि पानी नाड़ियों में रुका परिणाम स्वरुप कुओं का जल स्तर बढ़ा ।

– इस साल भी लोगों को अकाल से राहत पहुंचाने के लिए संस्थान C.R.S. मुम्बई R.C.D. समाज सेवी संस्था मदार अजमेर के सहयोग से 70000 Workdays का अकाल राहत कार्य करेगी, जिसका कार्य क्षेत्र लगभग 20 गांवो तक होगा ।

– इस कार्य में खेतों में मेड़ बन्दी एवं नई नाड़ी निर्माण एवं पुरानी नाड़ी मरम्मत कार्य होगा ।

– इस कार्य के द्वारा संस्थान अकाल से पीड़ित लोगों को राहत पहुंचायेगा ।

सचिव
ग्रामीण महिला विकास संस्थान
बूबानी, किशनगढ़
जिला–अजमेर (राज.)